CIJ-03

December - Examination 2025

फलित ज्योतिष में प्रमाण–पत्र

(Certificate in Phalit-Jyotish)

प्रायोगिक पेपर

Paper : CIJ-03

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **100***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1.

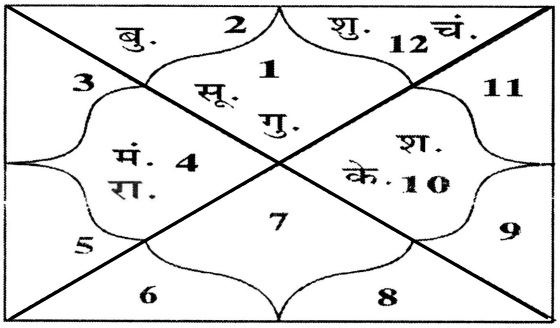

(i) उपर्युक्त कुण्डली में मंगल किस राशि में स्थित है?

(ii) उपर्युक्त कुण्डली में द्वादश भाव में कौनसा ग्रह है?

(iii) क्या उपर्युक्त कुण्डली में मंगल दोष बन रहा है?

(iv) उपर्युक्त कुण्डली में कौनसा योग है?

(v) उपर्यक्त कुण्डली में पंचम भाव का फल बताइए।

(vi) अग्नितत्त्वीय राशियां कौनसी हैं?

(vii) मिथुन राशि का राशी स्वामी कौनसा ग्रह है?

(viii) कौनसा ग्रह भार्या का कारक होता है?

(ix) किन भावों को चतुरस्र कहा जाता है?

(x) अनफा योग किसे कहते हैं?

खण्ड–'ब' 4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

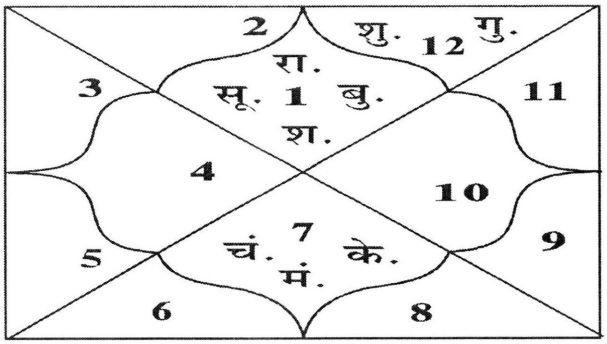

2. उपर्युक्त कुण्डली के सप्तम भाव का फलादेश कीजिए।
3. उपर्युक्त कुण्डली के द्वादश भाव पर विचार कीजिए।
4. उक्त कुण्डली में प्रथम भाव पर विचार कीजिए।
5. उक्त कुण्डली में मंगल दोष का विवेचन कीजिए।
6. उपर्युक्त कुण्डली में केतु को स्पष्ट कीजिए।
7. उपर्युक्त कुण्डली में चन्द्र ग्रह के कारकत्व को स्पष्ट कीजिए।
8. नाभसयोग को समझाइये।
9. राशियों का वर्गीकरण कीजिए।

खण्ड–'स' 2×20=40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

10. विवाह हेतु वर वधु के गुण मिलान पर लेख लिखिए।
11. ज्योतिष द्वारा रोगों के निदान की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।
12. काल्पनिक कुण्डली का निर्माण कर उस कुण्डली के प्रत्येक भाव का फलादेश कीजिए।
13. वर्तमान समय में ज्योतिष की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।